

School of Liberal Arts

English
ETE - May 2023

Time : 3 Hours

Marks : 50

Sem VI - ENG3008 - Translation in Practice

Your answer should be specific to the question asked

Draw neat labeled diagrams wherever necessary

1. Describe the process of restructuring translated material. Provide an example. K1 CO1 (2)
2. Explain reader-oriented translation. Provide an example. K2 CO2 (2)
3. Show how regional and social dialects impact the choice of standard in translation? K3 CO3 (2)
4. Analyse the challenges posed by collocational restrictions in translation, and provide examples. K4 CO4 (2)
5. Analyse how the language of literary texts is different from that of non-literary texts in translation. K4 CO5 (2)
6. Illustrate the role of interpretation and analysis in the translation process. How can these tools help a translator to translate lexical items and syntactic structures effectively? K3 CO1 (5)
7. Compare and analyze the concept of meaning gap in translation and discuss strategies that a translator can use to both identify and overcome it. K4 CO2 (5)
8. Summarise and translate following paragraph from Hind to English: K5 CO6 (6)
यही वजह थी कि अम्माँ जब आगरा जाने लगीं, तो हफ्ते भर के लिए मुझे अपनी मुँह बोली बहन के पास छोड़ गई। उनके यहाँ अम्माँ खूब जानती थी कि चूहे का बच्चा भी नहीं और मैं किसी से लड़ भिड़ न सकूँगी। सज़ा तो खूब थी! हाँ तो अम्माँ मुझे बेगम जान के पास छोड़ गई। वही बेगम जान जिनका लिहाफ़ अब तक मेरे ज़ेह में गर्म लोहे के दाग की तरह महफूज़ है। ये बेगम जान थीं जिनके गरीब माँ-बाप ने नवाब साहब को इसीलिए दामाद बना लिया कि वो पक्की उम्र के थे। मगर थे निहायत नेक। कोई रंडी, बाज़ारी औरत उनके यहाँ नज़र नहीं आई। खुद हाजी थे और बहुतों को हज़ कर चुके थे। मगर उन्हें एक अजीब-ओ-गरीब शौक था। लोगों को कबूतर पालने का शौक होता है, बटेरे लड़ाते हैं, मुर्गबाज़ी करते हैं। इस क्रिस्म के वाहियात खेलों से नवाब साहब को नफ़रत थी। उनके यहाँ तो बस तालिब-ए-इल्म रहते थे। नौजवान गोरे-गोरे पतली कमरों के लड़के जिनका खर्च वो खुद बर्दाश्त करते थे। मगर बेगम जान से शादी कर के तो वो उन्हें कुल साज़-ओ-सामान के साथ ही घर में रख कर भूल गए और वो बेचारी दुबली पतली नाजूक सी बेगम तन्हाई के गम में घुलने लगी।
9. Analyze the importance of comparing the source text and translated text in the evaluation of translated materials. K4 CO3 (8)
10. Outline the strategies that can be employed to overcome the challenges of translating from L1 to L2. K5 CO4 (8)
11. Criticize the idea of translation quality assessment and assess the different methodologies that can be utilized for gauging translation quality. K6 CO5 (8)